विडंबना | सरकारी गोदाम में चल रहा मटियारी हाईस्कूल

10 साल से टपकती छत के नीचे भविष्य गढ़ने मजबूर छात्र

मेंहदवानी/डिंडौरी, नवभारत 1 अगस्त। शिक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के दावे करने वाले तंत्र की हकीकत देखनी हो तो मेंहदवानी विकासखंड के मटियारी हाईस्कूल पहुंच जाइए। यहां पिछले 10 वर्षों से हाईस्कूल का संचालन एक सरकारी राशन गोदाम में किया जा रहा है। जिस भवन में कभी सार्वजनिक वितरण प्रणाली का राशन रखा जाता था, उसी जर्जर गोदाम में आज कक्षा 9वीं और 10वीं के करीब 60 छात्र-छात्राएं अपने भविष्य के सपने संजो रहे हैं।

हालात इतने बदतर हैं कि स्कूल में न तो पर्याप्त कक्षाएं हैं, न विज्ञान प्रयोगशाला, न लाइब्रेरी, न खेल मैदान और न ही शौचालय। बरसात के दिनों में छत जगह-जगह से टपकती है, जिससे बच्चों और शिक्षकों को पढ़ाई के दौरान लगातार परेशानी झेलनी पड़ती है। मजबूरी ऐसी है कि छात्र बारिश के बीच भी इसी जर्जर भवन में बैठकर पढ़ाई करने को विवश हैं। स्कूल एक शिक्षक ने बताया कि 1 जुलाई 2015 को स्कूल खुलने के बाद से ही यह समस्या बनी हुई है। तब से आज तक हाईस्कूल का अपना भवन नहीं बन पाया। पिछले दस वर्षों में न जाने कितनी छात्र-छात्राएं यहां से पढ़कर आगे बढ़ गईं, लेकिन स्कूल की स्थिति जस की तस बनी हुई है। बच्चों को आज भी मूलभूत सुविधाओं से वंचित रहकर शिक्षा ग्रहण करनी पड़ रही है।

भवन स्वीकृत, लेकिन निर्माण अब भी अधर में

जानकारी के अनुसार हाईस्कूल भवन के लिए शासन से राशि स्वीकृत हो चुकी है, लेकिन निर्माण कार्य अब तक शुरू नहीं हो पाया। बताया जा रहा है कि क्षेत्र में प्रस्तावित बांध परियोजना सहित अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं के कारण मामला वर्षों से अटका हुआ है। इस बीच सबसे बड़ा नुकसान उन विद्यार्थियों का हो रहा है, जिनका भविष्य सुविधाओं के अभाव में दांव पर लगा हुआ है।

छात्र बोले– यह स्कूल नहीं, गोदाम है

स्कूल के एक छात्र ने खुलकर अपनी पीड़ा बयां करते हुए कहा कि यह भवन स्कूल जैसा नहीं, बल्कि गोदाम है। बारिश में छत टपकती है, खेल मैदान नहीं है, शौचालय की सुविधा नहीं है और बैठने तक में दिक्कत होती है। ऐसे माहौल में पढ़ाई करना बेहद कठिन है।

सवाल यह भी

सरकार शिक्षा के क्षेत्र में करोड़ों रुपये खर्च करने और आधुनिक सुविधाओं वाले विद्यालयों की बात करती है, लेकिन मटियारी हाईस्कूल की तस्वीर इन दावों पर गंभीर सवाल खड़े करती है। आखिर एक दशक तक सरकारी गोदाम में स्कूल संचालित होता रहा और जिम्मेदारों की नजर क्यों नहीं पड़ी? यदि भवन की स्वीकृति मिल चुकी थी तो निर्माण कार्य अब तक शुरू क्यों नहीं हुआ? सबसे बड़ा सवाल यह है कि बच्चों के भविष्य की कीमत पर यह इंतजार आखिर कब तक चलेगा?

इनका कहना है

मेंहदवानी ब्लॉक के मटियारी हाईस्कूल भवन को शासन से स्वीकृति मिल चुकी है। भोपाल स्तर पर टेंडर प्रक्रिया चल रही है। जैसे ही टेंडर खुलेंगे और एजेंसी नियुक्त होगी, निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

राजेंद्र जाटव, सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग, जिला डिंडौरी

मौसमी बीमारियों के उपचार की दी जानकारी

जिला स्तरीय अंतर्विभागीय प्रशिक्षण आयोजित

डिण्डौरी, नवभारत। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत हीट रिलेटेड इलनेस एवं एक्यूट रेस्पिरेटरी इलनेस की रोकथाम, शीघ्र पहचान, उपचार, निगरानी तथा जन-जागरूकता गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से 30 जुलाई को जिला चिकित्सालय डिण्डौरी में जिला स्तरीय अंतर्विभागीय एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज पाण्डेय ने की। कार्यक्रम में जिला स्वास्थ्य एवं महामारी नियंत्रण अधिकारी डॉ. ममता दीवान सहित वन, सिंचाई, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, लोक निर्माण, पशु चिकित्सा, नगरपालिका परिषद, शिक्षा, केंद्रीय जल आयोग, खनिज, आयुष तथा स्वास्थ्य विभाग सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

जलवायु परिवर्तन का स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव बताए- प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों ने जलवायु परिवर्तन का मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव, हीट रिलेटेड इलनेस एवं मौसमी श्वसन संबंधी बीमारियों की रोकथाम, समय पर पहचान, उपचार एवं निगरानी व्यवस्था की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही विभिन्न विभागों के दायित्वों तथा आपसी समन्वय के माध्यम से कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा की गई।

छात्राओं से संवाद कर जाना भविष्य का लक्ष्य

एसडीएम ने कन्या परिसर एवं छात्रावास का किया निरीक्षण

डिंडौरी, नवभारत। एसडीएम डिंडोरी रामबाबू देवांगन ने शनिवार को शासकीय कन्या परिसर एवं छात्रावास का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने छात्राओं से आत्मीय संवाद करते हुए उनकी पढ़ाई, भविष्य के लक्ष्य और कैरियर संबंधी योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने छात्राओं को मन लगाकर अपने निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया।

छात्रों को दिए जाने वाले भोजन का लिया स्वाद- निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने छात्रावास की भोजनशाला का निरीक्षण किया तथा माध्यमिक छात्रावास में विद्यार्थियों के लिए तैयार भोजन का स्वयं स्वाद लेकर उसकी गुणवत्ता की जांच की। भोजन की गुणवत्ता संतोषजनक पाए जाने पर उन्होंने रसोइयों के कार्य की सराहना की। उन्होंने रसोईघर, स्नानघर, शौचालय, पेयजल व्यवस्था एवं परिसर की साफ-सफाई का भी निरीक्षण किया। सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक मिलने पर छात्रावास अधीक्षिका एवं छात्राओं की प्रशंसा की।

अनुशासन का पढ़ाया पाठ - निरीक्षण के दौरान छात्रावास अधीक्षिका, संस्था के प्राचार्य मिथलेश सहित संबंधित अधिकारी एवं शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। अंत में एसडीएम रामबाबू देवांगन ने छात्राओं को अनुशासन, स्वच्छता और नियमित अध्ययन को जीवन का हिस्सा बनाकर उज्ज्वल भविष्य के निर्माण के लिए सतत प्रयासरत रहने का संदेश दिया।

अवैध शराब से भरा पिकअप वाहन पलटा

26.13 लाख की अवैध अंग्रेजी शराब जब्त

एक तस्कर गिरफ्तार, दो फरार

शहपुरा, डिण्डौरी, नवभारत। जिले में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत शहपुरा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 26.13 लाख रुपये की अवैध अंग्रेजी शराब, पिकअप वाहन एवं मोबाइल फोन जब्त किया है।

मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, जबकि शराब तस्करी से जुड़े दो अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस के मुताबिक 31 जुलाई की रात मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक पिकअप वाहन में बड़ी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब का परिवहन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही थाना शहपुरा पुलिस ने दो अलग-अलग टीमों का गठन कर संभावित मार्गों पर नाकाबंदी की।

पुलिस को देखते ही भागा चालक और पलटा वाहन

नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने संदिग्ध पिकअप वाहन को रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक वाहन को तेज गति से भगाने लगा। पीछा करने के दौरान शहपुरा-जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-45 स्थित विक्की ढाबा के पास चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा, जिससे पिकअप सड़क पर पलट गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वाहन की जांच की तो ट्रॉली में त्रिपाल के नीचे अंग्रेजी शराब की पेटियां भरी मिलीं।

शहडोल से जबलपुर जानी थी शराब

पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी मोहम्मद परवेज खान निवासी मोती नाला, हनुमानताल, जबलपुर ने बताया कि शराब शहडोल निवासी ज्वाला सिंह ने उसे जबलपुर निवासी राजेश तक पहुंचाने के लिए दी थी। पुलिस ने आरोपी परवेज खान को गिरफ्तार कर उसके साथ ज्वाला सिंह एवं राजेश के विरुद्ध थाना शहपुरा में अपराध दर्ज करते हुए मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) एवं भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 3(5) के तहत मामला कायम किया है।

सिलेंडर में सब्सिडी पाने तीस तक करानी होगी ई-केवाईसी

नौरोजाबाद, नवभारत। जिले के नौरोजाबाद तहसील अंतर्गत ग्राम महुरा में संचालित द्विवेदी एचपी गैस एजेंसी की संचालक साधना द्विवेदी ने जानकारी देते हुए बताया की सब्सिडी वाले घरेलू सिलेंडर प्राप्त करने के लिए सभी उपभोक्ताओं को तीस अगस्त तक ई केवाईसी करना बहुत आवश्यक है।

प्रत्येक ग्राहक को मैसेज के माध्यम से सूचित किया जा रहा है की सभी उपभोक्ता जल्द से जल्द अपना ई केवाईसी करना सूची निश्चित करें। अगर सभी उपभोक्ता ई केवाईसी नहीं कराते है तो सब्सिडी वाला सिलेंडर नहीं मिलेगा। कई उपभोक्ताओं की बुकिंग कैंसिल हो रही है, जिसका महत्वपूर्ण कारण है ई केवाईसी ना होना है। ई केवाईसी करने के लिए आधार कार्ड और मोबाइल नंबर होना बहुत जरूरी है।

श्रीराम एकेडमी विद्यालय के छात्रों ने किया पौध रोपण

चिल्हारी, उमरिया नवभारत। मानपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम चिल्हारी स्थित श्रीराम एकेडमी विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों ने गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर हनुमंत कुंज आश्रम, शिवपुरी छपडौर पहुंचकर सद्गुरुदेव भगवान के दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किए। इसके उपरांत आश्रम परिसर में फलदार एवं छायादार पौधों का वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य सतीश उपाध्याय व रविशंकर अवस्थी के नेतृत्व में आयोजित इस वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस दौरान स्कूल के शिक्षकों ने बच्चों को वृक्षों के महत्व, पर्यावरण संरक्षण तथा प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

दिया गया पर्यावरण संरक्षण का ज्ञान

उन्होंने कहा कि हमारे सनातन धर्म में वृक्षों का विशेष महत्व है। पीपल, बरगद, तुलसी, बेल सहित अनेक वृक्षों की पूजा-अर्चना की जाती है। वृक्ष केवल जीवनदायिनी ऑक्सीजन ही नहीं देते, बल्कि पर्यावरण संतुलन, वर्षा, जैव विविधता और मानव जीवन के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर उनकी देखभाल का संकल्प लेना चाहिए।

छात्रों ने पौधारोपण के साथ लिया जिम्मेदारी का संकल्प

शहपुरा नवभारत। पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन का रूप देने और विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति प्रेम व जिम्मेदारी की भावना विकसित करने के उद्देश्य से नर्मदांचल विद्यापीठ, बरगांव में वन महोत्सव पूरे उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया।

विद्यालय परिसर में आयोजित वृक्षारोपण कार्यक्रम में नर्सरी से लेकर कक्षा 12वीं तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपने नाम से पौधे लगाकर उन्हें सुरक्षित रखने का संकल्प लिया।

लगाए पौधों की सौंपी जिम्मेदारी

कार्यक्रम की सबसे विशेष पहल यह रही कि प्रत्येक विद्यार्थी को उसके द्वारा लगाए गए पौधे की देखभाल की जिम्मेदारी सौंपी गई। बच्चों ने नियमित रूप से पौधों को पानी देने, उनकी सुरक्षा करने और पर्यावरण संरक्षण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। विद्यालय प्रबंधन ने घोषणा की कि शैक्षणिक सत्र के अंत में जिस विद्यार्थी का पौधा सबसे स्वस्थ, हरा-भरा और सुरक्षित मिलेगा, उसे विशेष पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

वृक्षों की उपयोगिता का मिला ज्ञान

इस अवसर पर शिक्षकों ने विद्यार्थियों को वन महोत्सव के महत्व, वृक्षों की उपयोगिता और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में उनकी अहम भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण और उनकी नियमित देखभाल समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

खदान नियमों की अनदेखी, अंडरग्राउंड कर्मचारी बंगले पर चौकीदार

बिरसिंहपुर, नवभारत। एसईसीएल सोहागपुर एरिया के अंतर्गत आने वाले बिरसिंहपुर पाली क्षेत्र में नियमों को ताक पर रखकर अंडरग्राउंड में पदस्थ कर्मचारियों से सरफेस में निजी काम कराए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि पाली स्थित सवेरिया सब एरिया मैनेजर के बंगले पर अंडरग्राउंड के कर्मचारियों की ड्यूटी चौकीदार के रूप में लगाई जा रही है।

अधिकारी के बंगले में लगाई ड्यूटी- सूत्रों के अनुसार, पाली की भूमिगत खदान में जिन कर्मचारियों की नियुक्ति अंडरग्राउंड वर्कर के तौर पर हुई है, उन्हें खदान के अंदर के बजाय अधिकारी के बंगले की रखवाली, साफ-सफाई और अन्य घरेलू कार्यों में लगाया गया है। इससे न केवल सुरक्षा मानकों का उल्लंघन हो रहा है, बल्कि भूमिगत खदान में पहले से ही कर्मचारियों की कमी के चलते उत्पादन और सुरक्षा दोनों प्रभावित हो रहे हैं।

कंपनी के साथ धोखा- नियमानुसार अंडरग्राउंड कर्मचारियों को विशेष भत्ता और सुविधाएं खदान के अंदर जोखिम भरे कार्य के लिए दी जाती हैं। लेकिन जब यही कर्मचारी सरफेस पर बंगले की चौकीदारी करेंगे तो यह कंपनी के साथ धोखा है।

हाजिरी में गड़बड़ी की भी आशंका- श्रमिक नेता बताते हैं कि पाली क्षेत्र में यह कोई नया मामला नहीं है। कई अंडरग्राउंड कर्मचारियों को अधिकारियों की मिलीभगत से सरफेस ड्यूटी पर रखा गया है, जिससे मेहनती कर्मचारियों पर काम का अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है और हाजिरी में गड़बड़ी की भी आशंका है।

मजदूरों ने की जांच की मांग - इस संबंध में जब क्षेत्रीय अधिकारियों से बात करने की कोशिश की गई तो कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिला। वहीं मजदूरों ने मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है। मजदूरों जरूरत है कि एसईसीएल प्रबंधन इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करे, ताकि खदान के अंदर काम करने वाले वास्तविक कर्मचारियों के साथ न्याय हो सके।

बैठक में बनी अगस्त माह के सामाजिक अभियानों की रूपरेखा

प्रस्फुटन शक्ति संचय कार्यक्रम में दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

शहपुरा नवभारत। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, विकासखंड शहपुरा के तत्वावधान में 'प्रस्फुटन शक्ति संचय कार्यक्रम' के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय मासिक बैठक सह प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों को अधिक सक्रिय, सशक्त एवं प्रभावी बनाते हुए उन्हें जनकल्याणकारी गतिविधियों से जोड़ना रहा। प्रशिक्षण में ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के पदाधिकारी, सदस्य, नवांकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि, मेंटर्स एवं सीएम इंटर्न्स ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। बैठक में जनपद पंचायत शहपुरा के सीईओ गणेश पांडे, जिला प्रचारक अजय शुक्ला, जिला समन्वयक धर्मेंद्र चौहान, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रभारी अधिकारी कंचन, एई सौरभ, एएसआई मरकाम तथा एपीओ चक्रवर्ती सहित अन्य अधिकारियों ने शासन की विभिन्न जनहितकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उन्हें अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया।

दिलाई गई नशा मुक्ति की शपथ- विकासखंड समन्वयक डॉ. नीलेश्वरी वैश्य ने कार्यक्रम के उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों को एमपीजेएपी ऐप एवं वायुदूत ऐप डाउनलोड कराकर उनके उपयोग की जानकारी दी।

संकट | किसान बोले-अब नहीं बरसे मेघ तो भूखों मरने की नौबत आएगी

इंद्रदेव की बेरुखी से किसानों की उम्मीदें टूटीं, मानपुर में सूखे जैसे हालात

चिल्हारी, उमरिया, नवभारत। जिले की मानपुर तहसील अंतर्गत इस समय भीषण जल संकट और बारिश की कमी से जूझ रही है जनता मानसून की बेरुखी ने किसानों की चिंता को चरम पर पहुंचा दिया है।

आसमान में बादल तो दिखाई देते हैं, लेकिन बारिश की कुछ बूंदें धरती की प्यास बुझाने के लिए पर्याप्त साबित नहीं हो रहीं। खेत सूखे पड़े हैं और किसानों के चेहरे पर मायूसी साफ झलक रही है।

धान की खेती पर पड़ रहा असर

धान की खेती पर निर्भर हजारों किसानों ने करीब डेढ़ महीने पहले ही रोपा तैयार कर लिया था, लेकिन पर्याप्त बारिश नहीं होने के कारण वह अब भी नर्सरी में ही पड़ा है। समय पर रोपाई नहीं होने से रोपा धीरे-धीरे खराब होने लगा है और किसानों की महीनों की मेहनत और पैसा बर्बाद होने की कगार पर है।

भूजल का गिर रहा स्तर

स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि क्षेत्र का भूजल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। कुएं, हैंडपंप और छोटे जलस्रोतों का पानी कम होता जा रहा है। गांवों के तालाब, डबरियां और खेत-ताल पूरी तरह सूख चुके हैं। जिन तालाबों में इस समय तक लबालब पानी हुआ करता था, वहां अब फटी हुई जमीन दिखाई दे रही है। पशुओं के लिए भी पीने के पानी का संकट गहराने लगा है।

बारिश के लिए इंद्रदेव का पूजन

ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह-शाम मंदिरों में पूजा-अर्चना कर किसान इंद्रदेव से अच्छी वर्षा की प्रार्थना कर रहे हैं, लेकिन अब तक झमाझम बारिश का इंतजार पूरा नहीं हुआ। किसानों का कहना है कि आषाढ़ बीत चुका है और श्रावण मास भी शुरू हो गया है। यदि अगले दस से 15 दिनों के भीतर अच्छी बारिश नहीं हुई तो किसानों को भूखों मरना पड़ेगा

सरकारी आंकड़ों में छुपी हकीकत

सरकारी आंकड़ों में अब तक लगभग 24 मिलीमीटर वर्षा दर्ज होने की बात कही जा रही है, लेकिन किसानों का कहना है कि यह बारिश केवल कागजों तक सीमित है। खेतों में नमी नहीं है, मिट्टी सूखी पड़ी है और गिरा हुआ पानी तेज धूप व गर्म हवाओं के कारण कुछ ही घंटों में गायब हो जाता है।

सर्वे कराने की मांग

किसानों ने प्रशासन और राज्य सरकार से तत्काल क्षेत्र का सर्वे कराने तथा वास्तविक स्थिति का आंकलन कर चिल्हारी क्षेत्र को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग की है। किसानों का कहना है कि यदि जल्द बारिश नहीं हुई तो केवल फसल ही नहीं, बल्कि पूरे वर्ष की आजीविका संकट में पड़ जाएगी।

आर्थिक संकट का खतरा

खेती चौपट होने से कर्ज, बेरोजगारी और आर्थिक तंगी का खतरा भी बढ़ जाएगा। धरती की दरारें किसानों के टूटते विश्वास की कहानी बयां कर रही हैं। अब हर निगाह आसमान पर टिकी है और हर दुआ सिर्फ एक ही है-हे इंद्रदेव, अब तो बरस जाइए।

कार्यों में तेजी लाने सहित शिविर आयोजित करने लिया निर्णय

रेडक्रॉस सोसायटी एवं रोगी कल्याण समिति की बैठक संपन्न

डिंडौरी, नवभारत। कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में भारतीय रेडक्रॉस सोसायटी एवं रोगी कल्याण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य एवं समाज सेवा से जुड़े जनकल्याणकारी कार्यों को अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं तीव्र गति से संचालित करने पर विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

सस्ती दवा उपलब्ध कराने खोले जाएंगे औषधि केन्द्र- बैठक में निर्णय लिया गया कि आम नागरिकों की सुविधा के लिए प्रत्येक शुक्रवार को नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण एवं स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे। साथ ही जिले के चार विकासखंडों में सस्ती एवं गुणवत्तापूर्ण दवाइयां उपलब्ध कराने जन औषधि केंद्र खोलने का प्रस्ताव भी रखा गया।

जनसेवा गतिविधियों को अधिक प्रभावी बनाने का संकल्प- बैठक में रेडक्रॉस सोसायटी के सदस्यता अभियान को गति देने, अधिक से सदस्यों एवं स्वयंसेवकों को जोड़ने तथा संगठनात्मक गतिविधियों का विस्तार करने पर भी सहमति बनी। समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने रोगी कल्याण समिति के सहयोग से जनसेवा गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने का संकल्प लिया।

बैठक में रेडक्रॉस सोसायटी के चेयरमैन नरेंद्र सिंह राजपूत, सचिव प्रवीण दास, कोषाध्यक्ष सचिन जैन, सदस्य शुभांशु चंद्रोल, सीएमएचओ डॉ. मनोज पांडे, सिविल सर्जन डॉ. रमेश मरावी, कार्यपालन यंत्री एम.एस. धुर्वे, डीपीएम विक्रम सिंह, डॉ. जयश्री मरावी, सुश्री सुरुचि परांते सहित स्वास्थ्य विभाग एवं समिति के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।